तिलक करने का मंत्र | सभी प्रकार तिलक मंत्र

तिलक लगाने का मंत्र

केशवानन्त गोविंद बाराह सर्वोच्च।
पुण्यं यशस्यमायुष्यं तिलकं मे प्रसीदतु ॥

कान्ति लक्ष्मी धृतिं सौख्यं सौभाग्यमतुलं बलम्।
ददातु चंदनं नित्यं सततं धारयाम्यहम् ॥

स्वयं को तिलक लगाने का मंत्र

ॐ चंदनस्य महत्पुण्यं पवित्रं पापनाशनम्।
आपदां हरते नित्यं, लक्ष्मीस्तिष्ठति सर्वदा ॥

माताओं को तिलक लगाने का मंत्र

ॐ सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके।
शरण्ये त्रयम्बके गौरी नारायणी नमोस्तुते॥

ॐ देहि सौभाग्यं आरोग्यं देहि मे परमं सुखम्।
रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषोऽहि॥

ॐ जयंती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी।
दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोऽस्तुते ॥

पुरुषों को तिलक लगाने का मंत्र

ॐ भद्रमस्तु शिवं चास्तु महालक्ष्मिः प्रसीदतु।
रक्षन्तु त्वां सदा देवाः सम्पदाः सन्तु सर्वदा ॥
सपत्ना दुर्गः पापा दुष्ट सत्वाद्युपद्रवाः।
तमाल पत्र मालोक्यः निष्प्रभावा भवन्तु ते ॥

स्त्रियों को तिलक लगाने का मंत्र

श्रीश्चते लक्ष्मीश्च पत्न्या व्हो रात्रे पार्श्वे नक्षत्राणि रूपमश्विनौ व्यात्तम्।
इष्णिषां मम ईशां सर्व लोकमयीषां ॥

कन्याओं को तिलक लगाने का मंत्र

ॐ अंबे अंबिके अंबालिके नामा नयति कश्चन।
सस्सत्यश्वकः सुभद्रिकां काम्पिल वासिनिम् ॥

ॐ यावत् गंगा कुरूक्षेत्रे यावत् तिष्ठति मेदनी।
यावत् रामकथा लोके तावत् जीवतु आयुः ॥

भाईदूज पर भाई को तिलक लगाने का मंत्र

गंगा पूजे यमुना को, यमी पूजे यमराज को।
सुभद्रा पूजे कृष्ण को, गंगा जमुना नीर बहे मेरे भाई तुम फूले फलें॥

ब्राह्मणों को तिलक लगाने का मंत्र

ॐ स्वस्ति न इन्द्रो वृद्धश्रवाः। स्वस्ति नः पूषा विश्ववेदाः।
स्वस्ति नास्तार्क्ष्यो अरिष्टनेमिः। स्वस्ति नो बृहस्पतिरधातु ॥

मेहमान को तिलक लगाने का मंत्र

ॐ भद्रमस्तु शिवं चास्तु महालक्ष्मिः प्रसीदतु।
रक्षन्तु त्वां सदा देवाः सम्पदाः सन्तु सर्वदा ॥

पितरों को तिलक लगाने का मंत्र

ॐ पितृगणाय विद्महे जगत धारिणी धीमहि
तन्नो पितृो प्रचोदयात्।

Visit Website: SHLOKMANTRA.COM